राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40/- संख्या 2452
I-SPY
RCJ
आतंकहर्ता नागराज
तिरंगा

...यही कुछ शायद इंसानियत कहलाता है।

कितनी अजीब विडम्बना है कि इंसानियत की रक्षा के लिए आतंकहर्ता को अपने भीतर की इंसानियत को ही सबसे पहले मारना पड़ता है।

स क्रीं च..

देश की शान बचाने के लिए सदियों से वीरों ने प्राण लुटाए भी हैं और देश के दुश्मनों के प्राण लिए भी हैं...
...यह सिलसिला आज भी बदस्तूर जारी है! बॉर्डर पर देश की सुरक्षा के लिए लड़ता सिपाही अपने प्राण दे भी सकता है और दुश्मन के प्राण ले भी सकता है...

...परन्तु यह देशभक्त देश के लिए अपनी जान दे तो सकता है, लेकिन किसी की जान ले नहीं सकता!
...इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि इस देशभक्त के रहते कोई दुश्मन अपनी मनमानी कर गुजरेगा...
...इंतहा तो तब है जब दोस्त दुश्मन बनकर मनमानी करने पर उतर आए!
बज्जऽऽ

DATE:- 26/11/10, PLACE:- INDIA GATE, TIME:- 8:30 P.M.

किसी भी देशभक्त या आतंकहर्ता से ऊपर होता है देश, देश से ऊपर होती है इंसानियत और आज आतंकवादियों के हाथों की कठपुतली बना नागराज देश और इंसानियत दोनों को ही तबाह कर देने पर उतारू है! लेकिन जब तक देशभक्त तिरंगा की रगों में खून का एक भी कतरा मौजूद है, ना देश पर आंच आएगी ना इंसानियत पर! अब नहीं बहेगा किसी मासूम का खून, नहीं जाएगी किसी निर्दोष की जान, नहीं होगा देश में एक और 26/11.

दो साल पहले आज के दिन इसी वक्त शुरू हुआ था मौत का खूनी खेल जिसने देश को एक ऐसा घाव दिया जिसे वक्त भी नहीं भर सकता। आज फिर अमन के दुश्मनों ने रची है एक घिनौनी साजिश! आतंकवादी इस बार देश के दिल दिल्ली में खेलना चाहते हैं मौत का खेल और इस खेल में उनका सबसे बड़ा मोहरा है देशभक्त तिरंगा। नागराज प्रतिज्ञाबद्ध है, नहीं होगा देश में दूसरा 26/11. तिरंगा को तिरंगे का सिर नहीं झुकाने देगा नागराज!

25 DAYS EARLIER... DATE:- 1/11/10 TIME:- 11:55 P.M.
PLACE:- AFGHAN RESEARCH AND DEVELOPMENT CENTER
विश्व के MOST WANTED आतंकवादी संगठन 'अल-गजनी' ने आज काबुल स्थित अफगान रिसर्च एण्ड डेवलपमेंन्ट सेंटर पर हमला कर वहां कार्यरत 22 साईंटिस्ट्स और दो दर्जन कर्मचारियों को बंधक बना लिया है! INTERNATIONAL MEDIA को जारी किए गए VIDEO FOOTAGE में AMERICA'S RATED NO.1 TERRORIST OF THE WORLD और अल गजनी के संचालक महमूद अल गजनी ने यह धमकी दी है कि यदि 24 घंटों के भीतर हिन्दुस्तान द्वारा अफगानिस्तान में चल रहे सभी प्रकार के विकास कार्यों को रोक कर अफगानिस्तान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों, सैनिकों एवं विकास कर्मियों को वापस भारत नहीं भेजा गया तो अफगान रिसर्च एण्ड डेवलपमेंन्ट सेंटर में मौजूद सभी 22 हिन्दुस्तानी साईंटिस्ट्स को जान से मार दिया जाएगा।
एक बार फिर आप विश्व भर की खबरों की सुर्खियों में हैं। हजरात! मुबारक हो!! हमारे मिशन की क्या POSITION है?
जल्दी ही सारी दुनिया हमारी ही सोच सोचेगी और हमारी ही तरह खुदाईयत की राह पर चलेगी। इसकी शुरुआत काफिरों के मुल्क से होगी!
इंशा अल्लाह!
सब दुरुस्त है!! मिशन की शुरुआत हो चुकी है, इंशा अल्लाह कामयाबी जल्द ही हमारे कदम चूमेगी!
आतंकवादियों के बारे में कुछ लोगों की धारणा होती है कि वो ज्यादातर गरीब, समाज से तिरस्कृत, अनपढ़, गुमराह नौजवान होते हैं जिन्हें जेहाद के नाम पर बरगलाया जाता है...
सौ में से एक आध शायद ऐसा मिल भी जाए पर हर आतंकवादी दुख का मारा नहीं होता। वैसे भी इंसान की खुद की दुश्वारियां उसे दूसरों की जिन्दगियां बर्बाद करने का हक नहीं देतीं!

जो दूसरों की जिन्दगियां तबाह करना अपना हक समझते हैं उनसे जीने का हक नागराज छीन लेता है!
GROUND LEVEL के कुछ TERRORISTS शायद राह भटके नौजवान हो भी सकते हैं पर...

..महमूद अल गजनी जैसे HARD BOILED MASTER MIND TERRORISTS इस श्रेणी में हर्गिज नहीं आते! CAMBRIDGE UNIVERSITY में 10 साल तक ECONOMICS के PROFESSOR के रूप में कार्यरत था महमूद अल गजनी। वहां रह कर इसने CRIMINALOGY पर गहन किया और अपनी ORGANISATION के लिए LINKS बनाए हैं, STRATEGIES PLAN की हैं और फिर अफगानिस्तान आ कर 'अल गजनी नामक आतंकी संगठन बनाया जिसकी जड़ें आज विश्व के हर देश में फैली हुई हैं।
खुशआमदीद नागराज! WELCOME TO AFGHANISTAN.
काफिरों के काफिर का महमूद अल गजनी अफगानिस्तान की सरजमीं पर इस्तकबाल करता है!
विश्व के किसी भी कोने पर जाने के लिए नागराज को किसी आतंकवादी के इस्तकबाल की आवश्यकता नहीं हैं।
बाहर आओ मेरे सर्प सैनिकों। फैल जाओ यहां के चप्पे-चप्पे पर!
BACK UP TEAM ATTACK!!
सारे विश्व में तेरे इतने जेहादी नहीं होंगे जितने नागराज के शरीर में सर्प सैनिक हैं! इन लोगों को तो मैंने बचा लिया पर अब तुझे और तेरे जेहादियों को मुझसे कौन बचाएगा।
शीतनाग

YOU'LL NEVER KNOW NAGRAJ...YOU'LL NEVER KNOW!
I DON'T LIKE THE LOOK IN HIS EYES. SADISTIC, SINISTER LOOK... I NEVER LIKED IT.

एक आतंकहर्ता के तौर पर मेरा सामना अमूमन दो प्रकार के आतंकवादियों से होता है, पहले वो जो बाजी अपने हाथ से निकलती देख और नागराज के रूप में अपनी आने वाली मौत की कल्पना कर के चीखने-चिल्लाने लगते हैं। गुस्से में अपना होश, सोचने-समझने की शक्ति खो देते हैं।
♫♪I TRAVEL TO DISTANT LANDS...AND I'M HIRED BY MY CAPTAIN...
♫♪...SAILING WITH YOUR SOUL TOGETHER ...♫♪ ON A MISSION TO CONQUER...♫♪.
...दूसरे वो जो अपने डर पर काबू पा कर खुद को CALM AND QUIET दिखाने की कोशिश करते हैं और बच निकलने का मन्सूबा बनाते हैं...

...लेकिन महमूद अल गजनी इन दोनों में से किसी श्रेणी में नहीं आता। इसकी आंखों में ना ही नागराज के हाथों मिलने वाली भयानक मौत का खौफ है...
A TOUCH IS ALL I NEED...♫ TO ACCOMPLISH THE UNSPEAKABLE DEED...♫♪♫...

...ना ही यह जान बचा कर भाग निकलने की चेष्टा कर रहा है...
NO...NO...NO... ♫♪...NO...YOU CAN'T TOUCH ME...♫♪♫...
तेरे जेहादी तो गए दोजख की सैर पर। अब तेरा क्या होगा?

क्या अपनी हार की कल्पना कर यह अपना मानसिक संतुलन खो बैठा है? नहीं इसकी आंखों की शैतानी चमक पागलपन की नहीं है... IT'S PURE DESPERATION.
...NO MATTER HOW HARD YOU TRY...♫♪♪...EVERY BODY SAY...♫♪
यह एक अशक्त लाचार बूढ़ा नहीं है। जिस पर तरस खाकर उसे जीवित छोड़ दिया जाए! विश्व भर में जो हजारों लाखों बेगुनाह लोग अल गजनी संगठन के आतंकी हमलों में मारे गए। उनका दोषी यह सनकी बूढ़ा ही है।
यदि आज इसे जीवित छोड़ दिया तो यह ना जाने कितने और बेगुनाहों की मौत का कारण बनेगा।
♫...I SPY...♪ ♫♪...I SPY...
खेल तमाशे का वक्त खत्म हुआ महमूद!
GAME OVER!
अक्...ख...खेल तो...अब शुरू होगा...ना.. ग..रा...SSI
THANK YOU NAGRAJ. हमें तो लगा था कि मौत आ गई है!
चिंता की कोई बात नहीं है। आप सभी सुरक्षित हैं, आप सबके सकुशल भारत लौटने की व्यवस्था की जा रही है!
हमें तो तुमने सुरक्षित कर दिया नागराज। पर भारत सुरक्षित नहीं है!
मेरा नाम सोफी है नागराज। मैं यहां कार्यरत साईंटिस्ट्स की टीम लीडर हूं।
किससे सुरक्षित नहीं है भारत?

'अल गजनी' से!
WHAT? WHAT ARE YOU SAYING SOPHIE? अल गजनी के सभी आतंकी तो महमूद अल गजनी समेत मारे जा चुके हैं!
अल गजनी अभी भी जिन्दा है नागराज!
दिल्ली...
DATE:- 2/11/10 PLACE:- AMAR JAWAN JYOTI, INDIA GATE TIME:- 7:30 A.M.
वन्दे मातरम् सुजलां सुफलां मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामलां मातरम् शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकितयामिनीं...
फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीम...
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीं।
सुखदां वरदां मातरम्!!
वन्दे मातरम्!
अमर जवान

इस प्रोसेशन में शामिल होकर बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया तिरंगा।

शुक्रिया तो मुझे आपका और आपके NGO **अमन के पंछी** का अदा करना चाहिए कि आप लोग इन बच्चों के माध्यम से देश को एकता व देशप्रेम का संदेश दे रहे हैं।

हम चाहते हैं कि लोग धर्म-मजहब, ऊंच-नीच, जात-पात भूल कर देश को पहले रखें।

यदि ऐसा हो जाए कादरी साहब हमारा देश विश्व में सबसे शक्तिशाली देश बन जाएगा।

तिरंगा। इस बात की प्रेरणा हमें तुम सुपर हीरोज से ही मिलती है! संकट में पड़ने पर हर धर्म का इंसान नागराज, ध्रुव को बुलाता है क्योंकि वो जानता है कि वे उसे बचाने से पहले उसका मजहब नहीं पूछेंगे।

मदद को पुकारने वाला यह कभी नहीं सोचता कि डोगा, परमाणु और स्वयं तुम्हारे यानि तिरंगा के नकाब के पीछे एक हिन्दू का चेहरा है या फिर एक मुसलमान का। वह जानता है कि इंसानियत के रखवाले सबसे पहले इंसान होते हैं फिर हिन्दू या मुसलमान होते हैं!

तो जब हम अपने रक्षकों को धर्म से ऊपर रखते हैं फिर खुद को भी धर्म से ऊपर क्यों नहीं रख सकते।

YES MY DEAR FRIENDS YOU ARE RIGHT. I'M CARZY. I'M CRAZY ABOUT MY COUNTRY. I'M CRAZY ABOUT MY NATIONAL FLAG AND ITS COLORS.
लेकिन यह बात तुम्हारे जैसे लोगों की समझ में नहीं आने वाली जो कि AMERICAN और BRITISH FLAGS के PRINT वाले T-SHIRTS से लेकर UNDERWEAR तक पहनने को ही COOL समझते हैं!
जिन्हें SAFFRON और ORANGE कलर में फर्क नजर नहीं आता।
जो इतने बड़े अक्ल के अन्धे हैं कि तिरंगा के GLOVES और BOOTS का COLORS देखते हैं पर उन्हें पूरा तिरंगा दिखाई नहीं देता!
मेरे बारे में दुनिया क्या सोचती है इसकी परवाह ना मैंने पहले कभी की थी..ना आज करता हूं। ना ही आगे कभी करूंगा। लेकिन तिरंगे का मजाक किसी को उड़ाने नहीं दूंगा।
W..WE ARE SORRY TIRANGA.
YOU SHOULD BE SORRY! राष्ट्रीय ध्वज के रंगों का अपमान करने का अधिकार किसी को भी नहीं है!
आलोचना करना अच्छी बात है परन्तु उसकी सीमा पार नहीं करनी चाहिए। आलोचना हमेशा सार्थक होनी चाहिए।
क्योंकि आपकी आलोचना का स्तर आपके व्यक्तित्व के स्तर को दर्शाता है।
DATE:- 2/11/10, PLACE:- INDIRA GANDHI INTERNATIONAL AIRPORT, TIME:- 9:15 A.M.

HEY MISTER! STOP!!
SECURITY ALERT! SECURITY ALERT!! GRAB THIS MAN...HIS PASSPORT IS A FAKE!!
GOTCHHA!!

तुम बिल्कुल सही समय पर आए नागराज! यह हमारी टीम का मेम्बर नहीं है।
यहां तक तो पहुंच गया अब यहां से सीधा जेल जाएगा। लेकिन कुछ सवालों के जवाब देने के बाद!

I TRAVEL TO DISTANT LANDS...♫♪ AND I'M HIRED BY MY CAPTAIN ...♫♪♪♫

भीतर क्या हंगामा मचा है साब? कोई आतंकवादी पकड़ा गया है क्या?
SAILING WITH YOUR SOUL TOGETHER... ♫♪ON A MISSION TO CONQUER

♫♪A TOUCH IS ALL I NEED TO ACCOMPLISH UNSPEAKABLE DEED.

अरे! म...मैं बाहर कैसे आ गया। मैं तो भीतर उस भगोड़े को पकड़ रहा था!
NO..NO..NO YOU CAN'T CATCH ME...NO MATTER HOW HARD YOU TRY EVERYBODY SAY...♫♪♪

DATE- 2/11/10
PLACE- RESERVE BANK OF INDIA, DELHI
TIME- 11:00 A.M.
♫♪...I SPY...
I SPY ♫♪
व्ही...(WHISTLE)
जूऽऽजू..जू..जू..
व्ही...
अबे ओ भूतनी
दे। सुबह-सुबह चढ़ा
रखी है क्या? यहां
कहां घुसा चला
आ रहा है?
अरे तेरी!! ए की होया..?
मैं यहां कैसे आ गया यार। मैं तो
एयरपोर्ट पर था!
अरे लेखपाल सिंह, तुम
यहां भीतर क्या कर रहे हो बाहर
सिक्योरिटी पर कौन...!?

G.M.
YES MISTER SHARMA WHAT IS IT...!
अरे सर! कहां चल दिए।
DATE: 2/11/10
PLACE: DHAULA KUAN POLICE STATION
TIME: 11:55 A.M.
NO PROGRESS NAGRAJ. साले के ऐसी-ऐसी जगह डंडे मारे हैं कि मुर्दा भी रनिंग कमेंट्री शुरू कर देता।
लेकिन यह कमीना तो मुंह ही नहीं खोल रहा।
IF YOU PERMIT मैं TRY करूं।
SURE NAGRAJ, BE MY GUEST!
अब तुम मुझे हर वो चीज बताओगे जो मैं जानना चाहता हूं।

TIME:- 12:45 P.M.

कुछ पता चला नागराज?

खास नहीं। सिवाय इसके कि यह अल गजनी संगठन का GROUND LEVEL का आतंकवादी है।

तुम भीतर उस इंसपेक्टर से कोई बात छुपा रहे थे ना नागराज!

मैंने उस TERRORIST को HIPNOTIZE किया था सोफी और मेरे सम्मोहन में कोई भी इंसान चाह कर भी मुझसे झूठ नहीं बोल सकता।

मैं चाहूं तो उस इंसान के जीवन के किसी भी पल में झांक सकता हूं। उसकी सोच उसके हर विचार को पढ़ सकता हूं...

मैंने उस आतंकवादी के दिमाग में झांक कर देखा है सोफी उसके दिमाग में कल सुबह 11 बजे से आज सुबह 9:30 बजे तक की कोई मेमोरी नहीं है।

पांच करोड़ की इस डकैती के सारे सबूत भी आपके खिलाफ हैं मिस्टर लूथरिया।

यह सब कैसे हुआ मैं नहीं जानता तिरंगा। मुझे सिर्फ इतना याद है कि मेरा सेक्रेटरी शर्मा मेरे केबिन में आया था। उसके बाद मैंने खुद को R.B.I. BUILDING के बाहर खड़ा पाया!

जितनी AUTHORITIES और POWER R.B.I. के G.M. के पास हैं

उसके बल पर यदि यह चाहता तो लूट का ऐसा फूलप्रूफ प्लान बना सकता था कि किसी का बाप भी इस पर शक ना कर पाता...

...यह इतने अनाड़ीपन से चोरी क्यों करेगा।

मुझे आज सुबह से कैमरे बन्द होने तक की सभी C.C.T.V. CAMERA RECORDINGS चाहिए। साथ ही यहा मौजूद एक-एक स्टाफ से मैं अकेले में बात करना चाहूंगा!

SURE TIRANGA! मैं बन्दोबस्त करवाता हूं।

DATE:- 2/11/10
PLACE:- AMBIENCE MALL, VASANT KUNJ
TIME:- 3:30 PM

आज यहां इतनी भीड़ क्यों है भाई?

कुछ नहीं पापाजी यह साले फिल्म वाले! पिक्चर रिलीज हुई नहीं कि शहर-शहर दौड़ पड़ते है पब्लिसिटी के लिए। अरे मैं कहता हूं कि ढंग की पिक्चर बनाओ साला पब्लिसिटी की कोई जरूरत ही नहीं, अपने आप चलेगी।

कौन सा फिल्म स्टार आया है?

अरे वो नया लौंडा है ना...क्या नाम है...हां...रंजीत कपूर वही। अपनी नई फिल्म 'दिवाना-दिवानी' को प्रमोट करने आया हुआ है। साथ में फिल्म की हिरोइन भी है।
अच्छा! तब तो जा कर मिलना ही पड़ेगा!
PLEASE COME ONE BY ONE! सबको AUTOGRAPH मिलेगा...MY GOD I'M SO POPULAR. <SIGH>
WOW RANJIT!! YOU ARE SO HOT!!
ONE PHOTOGRAPH PLEASE!
ओए पापा जी ऐ की कार रे हो तुस्सी?
ओए मैं तो रोड किनारे सू-सू कर रहा था। यहां मॉल में कब और कैसे आ गया?
GET OUT OF MY WAY
OUCH!
फिल्म के प्रमोशन के लिए दिल्ली आए फिल्म स्टार रंजीत कपूर ने एक मॉल में हंगामा खड़ा कर दिया। उन्होंने फैन्स व अपने बॉडीगार्ड्स के साथ हाथा-पाई की और मॉल से बाहर निकल गए। उसके बाद से वे लापता हैं।

SAILING WITH YOUR SOUL TOGETHER...ON A MISSION TO CONQUER... A TOUCH IS ALL I NEED...TO ACCOMPLISH THE UNSPEAKABLE DEED...
आखिर जिसका इंतजार था वो घड़ी आ ही गई!
NO..NO..NO..YOU CAN'T CATCH ME... NO MATTER HOW HARD YOU TRY...EVERY BODY SAY... I-SPY I-SPY
अब जल्द से जल्द इसे ढूंढना होगा।
अरे भाई CHANGE तो लेते जाओ!
DATE:- 2/11/10
PLACE:- ASHRAF AKBARI'S HIDE OUT, PURANI DELHI
TIME:- 5:30P.M.
कौन हो तुम? अशरफ अकबरी का पिराईवेट नम्बर कहां से मिला तुम्हें?
तुम्हारे पास क्या सबूत है कि तुम सच्चे जेहादी हो। पुलिस के मुखबिर नहीं?
मतलब की बात करो बिरादर! मैं भी तुम्हारी तरह जेहाद का फौजी हूं। एक जेहादी दूसरे जेहादी को ढूंढ ही लेता है।
हुम्म! मुझसे क्या चाहते हो?
वही जो हर जेहादी चाहता है। हिन्दुस्तान की तबाही। जिसका आगाज दिल्ली की तबाही से होगा! दिमाग और प्लान मेरे पास है, असला और आदमी तेरे पास। अगर हम एक हो जाएं तो दिल्ली सरकार की चूलें हिला देंगे!

"जेहाद का फरमान आज हिन्दुस्तान कल सारा जहान।"
यह तो जेहादियों का कोड है।
ठ...ठीक है मियां तुम्हारी बात पर हमें एतबार है।
मुझे इतना RDX चाहिए जो सारी दिल्ली को उड़ा सके।
इंतजाम हो जाएगा! लेकिन इसकी कीमत लगेगी।
जो भी कीमत हो मुझे मंजूर है। माल की डिलिवरी कब और कहां दोगे?
आज रात दो बजे पांच करोड़ रुपए लेकर कुतुब रोड पहुंच जाना माल मिल जाएगा।
DATE:- 2/11/10
PLACE:- LALQUILA. DELHI
TIME:- 11:00 P.M.
R.B.I. के G.M. मिस्टर लूथरिया को पुलिस ने हिरासत में ले लिया! लूथरिया निर्दोष है या नहीं यह बात तभी पता चल सकती है जब बैंक से चोरी हुए रुपए बरामद हो जाएं।
इस काम के लिए मुझे अभी कुछ और CLUES तलाशने होंगे। लेकिन उससे पहले एक और जरूरी काम निबटाना है मुझे। दिल्ली के चप्पे-चप्पे पर...
...यह EXPLOSIVE SENSORS लगाने का काम!
...यह सेंसर्स अपने पांच किलोमीटर तक के दायरे में आने वाले HEAVY EXPLOSIVE को सेंस कर सकते हैं...
...जिसका SIGNAL यह फौरन मेरे UTILITY BELT में रखे RECEIVER पर भेजेंगे।

DATE: 3/11/10
PLACE: PALIKA MARKET, C.P.
TIME: 1:55 A.M.

सारी दिल्ली में EXPLOSIVE SENSORS MOUNT हो चुके हैं अब यह BUTTON दबाते ही SENSORS ACTIVATE हो जाएंगे।

CLICK

अरे यह क्या!! ACTIVATE होते ही EXPLOSIVE SENSORS DANGER SIGNAL दे रहे हैं।

जिस LEVEL के EXPLOSIVE SIGNALS मिल रहे हैं उतना EXPLOSIVE तो सारी दिल्ली को तबाह कर सकता है।

DATE: 3/11/10
PLACE: QUTUB ROAD
TIME: 2:00 A.M.

अशरफ भाई, हम लोग तो सही समय पर आ गए लेकिन यहां तो दूर-दूर तक कोई नहीं दिख रहा!

कहीं पुलिस का SETUP तो नहीं है?

चिंता क्यों करता है सलीम! हम इतने असले से लैस हैं कि पुलिस क्या फौज की बटालियन से निबट सकते हैं।

I TRAVEL TO DISTANT LANDS AND I'M HIRED BY MY CAPTAIN...

वो देखो अशरफ भाई सामने से कोई आ रहा है।

पर यह तो अकेला है।

तुम लोग तैयार रहना। अगर कुछ गड़बड़ हुई तो लोहा भर देना साले के शरीर में।

अरे! यह तो फिल्मस्टार रंजीत कपूर है!

यह इस वक्त यहां क्या कर रहा है।

खुश-आमदीद बिरादर! मैंने ही तुम्हें यहां बुलाया है।

यह क्या बकवास है! त..तू जेहादी कैसे हो सकता है...तू तो...
"जेहाद का फरमान आज हिन्दुस्तान कल सारा जहान।" यह लो पूरे पांच करोड़ हैं गिन लो।

अशरफ भाई! यह पांच करोड़ तो पूरे हैं।
हुम्म! पर यह बात मेरी समझ में अभी भी नहीं आ रही है कि यह जेहादी कैसे हो सकता है।

सब समझ आ जाएगा बिरादर आओ गले मिलो फिर तुम्हें यकीन हो जाएगा कि मैं भी तुम्हारी तरह सच्चा जेहादी हूं।

ओह! मैं समझ गया यह क्या करना चाहता है।
थोड़ी देर हो गई, अभी सामने आना ठीक नहीं होगा।

EVERY BODY SAY♫♪♪ I SPY...I SPY
WHAT'S THIS MAN!! माल और लड़कियां कहां गईं? WHO ARE YOU दाढ़ी बाबा?

यह क्या किया अशरफ भाई इसे गोली क्यों मार दी?
आह!!
क्योंकि यह जेहादी नहीं है।
और इसे जिन्दा रहने का अधिकार भी नहीं है।
N..NO WAIT दादी बाबा! WHO ARE YOU GUYS... मुझे मार क्यों रहे हो... आह RANSOM चाहिए तो मेरे PRODUCER से मांग लो...
बहुत बकवास करता है तू! तेरी बकवास तेरी सांसों के साथ ही बंद हो जाएगी।
NO
थामने रफ्तार सांसों की चाहे करे कातिल कोशिश हजार...
...रखवाला बना के इंसानियत का अपने नेक बन्दों को भेजता है परवरदिगार!!!
तिरंगा आ गया अशरफ भाई। अब क्या करें??
खत्म कर दो दोनों को! सिर से पैर तक इतना लोहा भर दो कि वजन दो गुना हो जाए।

धायं
धायं
धायं
धायं
धायं
यह लोग चारों ओर से घेर कर FIRING कर रहे हैं। DEFENCIVE STRATEGY काम नहीं आने वाली...
यह लबादा अपने उपर लपेटे रखना... जिन्दा रहोगे।
SAVE ME TIRANGA. I DON'T WANT TO DIE!
तुम्हें मेरे साथ भागना होगा। जब तक कोई सुरक्षित जगह ना दिख जाए।
BUT WHERE ARE YOU GOING???
I'M GOING TO KICK THESE RASCALS!!!
सांय
खच्च...
सांय
सर्रट
सांय
...OFFENSIVE होना होगा। जिसके लिए सबसे पहले इनके हाथों से हथियार छुड़ाने होंगे और यह कार्य करने का उपयुक्त औजार है केसरिया कटार।

इन ट्रक्स में निश्चित ही वह EXPLOSIVE होगा जिसका SIGNAL SENSORS ने दिया था। ट्रकों से गुण्डों की बड़ी जमात निकल कर मुझ पर हमला करने आ रही है। इन सबसे एक साथ निबटने के लिए तिरंगा शील्ड की EJECTABLE WEAPONRY का प्रयोग करना होगा।

..AND THE BEST PART COMES NOW! जब तक लात-घूसों से अपराधियों को ना पीटो दिल की तसल्ली नहीं होती...
देशी स्टाईल की मारधाड़ का मजा ही अलग है।

YOU MAY BE A FAST MOVER TIRANGA...BUT YOU CANNOT DODGE THESE BULLETS..
रेट रेट
लिल्लाह!! अशरफ भाई अंग्रेजी बोल रहे हैं लेकिन इन्हें तो अंग्रेजी का 'ए' भी नहीं आता था।

...सही कह रहा है यह बिना बुलैटप्रूफ लबादे के इतनी सारी गोलियों को DODGE देना मुमकिन नहीं है।

ऊपर वाला खुद भी भेजे अगर फरमाने मौत यार का। अपने सीने पे ले लेंगे मौत उसकी समझ के निशानी दोस्ती की...

नागराज!!! दिल्ली में! क्या TIMING है भाई!
हां कम से कम मेरी TIMING मेरी शायरी से तो अच्छी ही है। यह जमूरे कौन हैं?
बस जान पहचान कर ही रहा था।
यह बात! तो चलो मिलकर जान-पहचान करते हैं।

नागराज भी यहां टपक पड़ा और नागराज के साथ यह भी यहां होगी इसकी उम्मीद मुझे नहीं थी।
DAMNIT!! सारा PLAN चौपट होता नजर आ रहा है।
धाड़
नेकी और पूछ-पूछ
धूम
घेर लो इन सभी को। कोई भी यहां से जिन्दा बच के ना जाने पाए!
सोफी को कमजोर समझने की भूल ना करना कमजर्फो।
अपने एक जासूसी सर्प के मानसिक संकेत पर मैं यहां आया था। मुझे और सोफी को तो किसी और के यहां मिलने की उम्मीद थी पर यहां तो मामला ही अलग नजर आ रहा है।

नागराज यहां दिल्ली में क्या कर रहा है? फिल्मस्टार रंजीत कपूर का भी यहां होना समझ में नहीं आ रहा...
...हो सकता है इन लोगों का अलगजनी से कोई ताल्लुक हो यह तो इनकी पिटाई के बाद ही पता चलेगा।
रुक जाओ तुम दोनों अपनी जगह वरना इस लड़की का भेजा अगले ही सैकेण्ड सड़क पर छितरा मिलेगा।
मेरी परवाह मत करो नागराज। DON'T LET HIM GO!!
काफिरों के काफिर चाहे कितनी भी कोशिश क्यों ना कर ले, तू मुझे नहीं पकड़ सकता!
असलम, सलीम गाड़ी स्टार्ट करो।
NO..NO..NO..YOU CAN'T CATCH ME...NO MATTER HOW HARD YOU TRY.. I SPY...I SPY...
धत्त। अशरफ तो हाथ से निकला ही साथ में तुम्हारी साथिन भी मुसीबत में पड़ गई नागराज।

हम तो बच गए अशरफ भाई लेकिन हमारा सारा माल...हमारे सारे आदमी...सब बर्बाद हो गया।

और तो और वो पांच करोड़ वाला बैग भी वहीं छूट गया।

हम तो जिन्दा है ना। बाकि सब फिर से आ जाएगा।

1 HOUR LATER-

सोफी कैसी है नागराज?

बेहतर है, कोई गंभीर चोट नहीं आई सिर्फ मामूली खरोचें हैं। जल्दी ठीक हो जाएगी। तुम बताओ ANY PROGRESS?

NOT MUCH. घटना स्थल से बरामद रुपए वही हैं जो कल R.B.I. से गायब हुए थे। अशरफ अकबरी के जो आदमी पकड़े गए हैं। उनके अनुसार यह रुपए रंजीत कपूर लेकर आया था।

जो चार ट्रक भर के RDX बरामद हुआ है वो आतंकवादियों के अनुसार रंजीत कपूर ने ही मंगाया था दिल्ली में तबाही मचाने के लिए।

अशरफ अकबरी कौन है?

समझ में तो यह भी नहीं आ रहा कि जो पैसे R.B.I से लूथरिया ने चुराए थे वो रंजीत कपूर के पास कैसे आ गए। जब कि दोनों एक दूसरे को जानते भी नहीं।
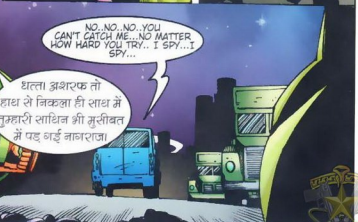
STRANGE.

हुम्म! पर इस फिल्मस्टार रंजीत कपूर का इस मैटर मे इन्वॉल्वमेंट समझ में नहीं आ रहा।

सोफी से ही मुझे पता चला कि तालिबान के खात्मे के बाद,

अफगान रिसर्च सेंटर में हिन्दुस्तानी वैज्ञानिक अफगानी वैज्ञानिकों के साथ मिलकर एक ऐसा प्रोग्राम डेवेलप करने की कोशिश कर रहे थे जिसके जरिये बड़ी संख्या में लोगों को कम से कम समय में साक्षर बनाया जा सके। सोफी और खुर्रम इस प्रोजेक्ट पर एक साथ कार्यरत थे जिसके दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ीं और दोनों ने मंगनी कर ली।

तुम बताओ नागराज! यहां दिल्ली में कैसे पहुंच गए। और वो लड़की सोफी कौन है?

सोफी, खुर्रम की मंगेतर है।

तब सोफी को पता चला की खुर्रम दरअसल मोस्ट वांटेड आतंकवादी महमूद अल गजनी का बेटा है।

और प्रोजेक्ट की आड़ में अपने बाप के लिए खतरनाक बायो-न्यूक्लियर हथियार बना रहा है

जिसके जरिये हिन्दुस्तान में एक बड़ी आतंकवादी वारदात को अंजाम दिया जा सके। इससे पहले की सोफी खुर्रम को रोक पाती, अल गजनी संगठन ने रिसर्च सेंटर पर हमला कर उन लोगों को बंधक बना लिया। मैं जब तक वहां पहुंचा खुर्रम हिन्दुस्तान भाग चुका था। मुझे सोफी ने खुर्रम की फोटो दिखाई थी। जब मैंने देश भर में मौजूद अपने जासूसी सर्पों से मानसिक संपर्क साधा तो मुझे पता चला कि खुर्रम के हुलिए वाला एक व्यक्ति दिल्ली में है। उसी का पीछा करते हुए मैं और सोफी कुतुब रोड पहुंचे थे।

ओह। इसका मतलब अशरफ के पीछे भी खुर्रम का हाथ है।

DATE: 4:11:10
PLACE: HUMAYUN'S TOMB, DELHI
TIME: 1:00 A.M.

हमें यहां इतनी रात गए क्यों बुलाया है अशरफ।

क्योंकि आप सब भी हमारी तरह पाकिस्तान के नुमाइन्दे हैं...

जिनका इस मुल्क में रहने का मकसद सिर्फ एक है इस... मुल्क की तबाही और बर्बादी।

हर जेहादी का यही अरमान है कि वो हिन्दुस्तान को तबाह व बर्बाद करने के जेहाद में शिरकत दे।

दो साल पहले 26/11 के दिन हमारे पाकिस्तानी भाईयों ने मुम्बई में कत्ले-आम मचा कर जेहादियों का सिर फख्र से ऊंचा कर दिया था...
...लेकिन उसके बाद से हमने क्या किया है? दो साल बीत गए 26/11 को और हिन्दुस्तान की सरजमीं एक बार भी जेहाद के कहर से जलवा आफरोज नहीं हुई. अब समय आ गया है एक और 26/11 को अंजाम देने का...

दिल्ली के चप्पे-चप्पे पर आतंक और दहशतगर्दी का ऐसा आलम मचा दो कि नागराज और तिरंगा के भी दिमाग घूम जाएं कि आखिर एक ही वक्त पर सारी दिल्ली को बचाएं तो कैसे।
...जिसे हम सभी जेहादी भाई एक साथ मिल कर ही मुमकिन कर सकते हैं। यदि हमारी ताकतें और हम एक हो जाएं तो नागराज और तिरंगा भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे।

DATE: 4/11/10
PLACE: PROFESSOR R.RAMALINGAM'S RESIDENCE, KAROL BAGH
TIME: 2:30A.M.
खर्रऽऽऽ
खर्रऽऽऽ

उंह...क...कौन?

क...क...कौन हो तुम...क...क्या चाहते हो?
तेरे पहले सवाल में मुझे कोई दिलचस्पी नहीं है अलबत्ता दूसरे सवाल का जवाब मैं दे सकता हूं। तुझसे T3 के बारे में जानना चाहता हूं।
T3!!! तुम्हें T3 के बारे में कैसे पता चला!! कौन हो तुम?
1 HOUR LATER-
T3 के बारे में जो कुछ भी तू जानता था वो मुझे मालूम चल गया प्रोफेसर। अल्लाह तुझे दोजख नसीब करे।
DATE: 4/11/10
PLACE: JAMA MASJID AREA, DELHI.
TIME: 9:30A.M.
लाशों से भर दो सड़कें। एक भी काफिर जिन्दा नहीं बचना चाहिए।
मौत के शोले काफिरों के सीने में घर करेंगे।
ठां
ठां
ठां
ठां
शोले नफरत के मासूमों के सीनों में घर कर नहीं सकते... जब तक जिन्दा हैं रखवाले अमन के, दुश्मन बाल भी देश का बाका कर नहीं सकते।
अपनी ढाल और लबादे से कितनी गोलियां रोकेगा तिरंगा।
गोलियों की ऐसी झड़ी लगा देंगे हम...
ठां
ठां
ठां
...कि अगर एक पूरी बटालियन भी आ जाए तो ना टिक पाएगी हमारे सामने।
नागराज के रहते किसी बटालियन की जरूरत नहीं है। तुम टुच्चों से निबटने के लिए तो मेरे सर्प सैनिकों की बटालियन ही काफी है।

लाख अत्याधुनिक सही पर तुम्हारी बंदूकें उतनी गोलियां नहीं बरसा सकतीं जितना कि नागराज सांप बरसा सकता है।
शक शक
शक शक
बंदूकें कभी खतरनाक नहीं होतीं। खतरनाक होते हैं वो हाथ जो उन्हें थामते हैं। अब ना यह हाथ बन्दूकें थामेंगे ना मौत बरसेगी।
...अब मौत बरसाने वालों पर तिरंगा कहर बन कर बरसेगा।
ताड़
देखा। खाली हो गई ना तुम्हारी बन्दूकें गोलियों से...
...लेकिन नागराज का जिस्म अभी सांपों से खाली नहीं हुआ है।
तुमने अपने अत्याधुनिक हथियारों का दम दिखा लिया अब नागराज तुम्हें अपने अत्याधुनिक हथियारों का दम दिखाता है...

शक शक
शक
...यह WEST INDIAN COMODO सर्प हैं, बन्दूक की गोली से भी तेज रफ्तार से यह सर्प अपनी ग्रंथियों का विष फेंकते हैं...

...जो गोली की तरह दुश्मन के शरीर को चीरते हुए उसके भीतर प्रवेश करता है और...

एक भयानक मौत देता है।

BUZZ
BUZZ
आतंकवाद के उन्माद से उद्दण्ड बने आतंकियों सावधान।
ईयाऽऽऽ

अद्भुत है तुम्हारा यह न्याय दण्ड तिरंगा।

यह दण्ड नहीं है नागराज। दण्ड देने का अधिकार सिर्फ कानून का होता है। न्याय स्तम्भ उद्दण्डियों को मात्र अनुशासित करता है ताकि उन्हें पकड़ कर कानून के हवाले किया जा सके।

वैसे भी हम रक्षकों का काम रक्षा करना है किस अपराधी को क्या सजा मिलनी चाहिए यह तय करने वाले हम कौन होते हैं।
तुम्हारा इशारा नागराज अच्छी तरह समझ रहा है तिरंगा। लेकिन रक्षक और आतंकहर्ता में यही तो फर्क होता है। रक्षक इंसानियत के दुश्मनों को हर बार पकड़ कर कानून के हवाले करता है...
...और अपराधी जेल की काल कोठरी में बैठा इंतजार करता है कि कब उसे दूसरा मौका मिले और वो फिर से आतंक फैला सके...

...परन्तु आतंकहर्ता इंसानियत के दुश्मनों के प्राण हर लेता है...
क्योंकि अगर इन्हें नहीं मारोगे...घायल कर के छोड़ दोगे तो यह और भी ज्यादा घातक हो जाएंगे।
...इंसानियत के जिन्दा रहने के लिए इनका मरना जरूरी है...बेहद जरूरी!
बड़ाम
अपराध और न्याय पर हम दोनों की विचारधाराएं बिल्कुल विपरीत हैं नागराज...
परन्तु उद्देश्य एक ही है...मानवता की रक्षा।
पिक पिक
EXPLOSIVE SENSOR SIGNAL!
सर्प संकेत।

कनॉट प्लेस के पालिका बाजार से आ रहे हैं यह सिग्नल!
दूसरा 26/11 शुरू हो चुका है तिरंगा।
PALIKA MARKET, NEW DELHI.
हा..हा..हा..हा.. जितना बच कर भागने की कोशिश करोगे T.N.T के बिछाए EXPLOSIVE DEVICES के जाल में उतना ही ज्यादा फंसते जाओगे।
BOOM
BOOM
सभी लोग जहां हैं वहीं रुक जाएं! कोई भी अपनी जगह से ना हिले।
DO NOT MOVE AND DO NOT PANIC!!
हा..हा..हा..उससे कुछ नहीं होने वाला नागराज! यह लोग अगर भागेंगे तो भी EXPLOSIVE DEVICES की RANGE में आ कर मरेंगे।
...और यदि नहीं भागेंगे तो भी T.N.T के फेंके हुए T.N.T. BOMBS की चपेट में आकर मरेंगे।
अगर इसके बिछाए EXPLOSIVES बाकी लोगों के चलने से फटते हैं...

ओह! T.N.T. के आगे बढ़ने से EXPLOSIVES BLAST नहीं हुए।
मेरे EXPLOSIVES मेरे हुक्म के गुलाम हैं तेरे नहीं।
...तो इसका मतलब यह किसी सेफ जगह पर खड़ा है। इसे इसकी जगह से हटाना होगा।
हा..हा.. हा..मेरे BOMBS मुझ पर ही फेंक रहा है नागराज...कोई फायदा नहीं होने वाला..

इसके पैरों की ओर देखो नागराज। इसके पीछे हुए BLAST से उठा धूल-धुएं का गुबार फर्श पर एक खास पैटर्न में फैल रहा है। CHESS BOARD के BLOCKS की तरह के पैटर्न में।
YOU ARE RIGHT TIRANGA.
जहां T.N.T. अभी खड़ा है TILE के उस ब्लॉक पर धुआं ज्यादा है। जबकि आगे-पीछे के दो ब्लॉक्स पर बहुत कम धुआं है।

इसने सारे अण्डर ग्राउण्ड मार्केट के फर्श पर TRANSPARENT PLASTIC EXPLOSIVE SHEETS बिछा रखी हैं जो कि पारदर्शी होने के कारण नजर नहीं आ रहीं...
...लेकिन ZIG-ZAG PATTERN में बिछी इन शीट्स के नीचे के फर्श पर धूल-धुआं साधारण फर्श के मुकाबले कम उठ रहा है...

यानि इस तक पहुंचने के लिए मुझे फर्श के उन हिस्सों पर कदम रखते हुए आगे बढ़ना होगा जहां धूल-धुआं ज्यादा है।
धाड़ड़

बड़ूम
बारूद कभी किसी इंसान का गुलाम नहीं होता T.N.T वो सिर्फ तबाही का दूत होता है। जो जान लेने से पहले इंसानों में फर्क नहीं करता!
BOMB SQUAD के आने तक आप लोग कृपया अपनी-अपनी जगहों से ना हिलें।
पिक पिक
सिग्नल फिर आने शुरू हो गए हैं नागराज। इस बार यह सिग्नल आ रहे हैं...
"SAROJANI MARKET, NEW DELHI से।"
तड़
तड़
तड़
आह!!
उफ!
बारूद के साए में रहने का बहुत शौक है ना तुम लोगों को। नागराज तुम्हारे शरीर में इतना बारूद भरेगा जितना दशहरा पर जलाने वाले रावण के पुतले में भरा जाता है...
यह है नागराज का जहरीला बारूद! आज नागराज एक SPECIAL दीपावली का शो करेगा...

बूम
बड़ाम
बूम
HAPPY DIWALI FOLKS!!
DATE: 5.11.10
PLACE: CAFETERIA,THE OBEROI
TIME: 9: 15 P.M.
स्वयं सेवी संगठन अमन के पंछी के संस्थापक श्री काजिम कादरी ने हमारे संवाददाता से बात चीत में कहा...
मैं हर दिल्लीवासी से यह गुजारिश करता हूं कि...
आइए हम सभी दिल्ली वासी एक जुट होकर आतंक के रहनुमाओं को दिखा दें कि जिनका मजहब मानवता व सच्चाई खुदा होते हैं वो आतंक के सरमाए से नहीं डरा करते। कोई 26/11 हमारी एकता को भंग नहीं कर सकती।
26/11 के दिन सारी दिल्ली में PEACE CANDLES बंटवाई जाएंगी। हर दिल्लीवासी रात 8:36 पर ठीक उस समय जब दो साल पहले मुम्बई आतंकवादियों ने पहली गोली चलाई थी यह PEACE CANDLE जलाएगा। PEACE CANDLE की जलती लौ श्रद्धांजली है उनको जिन्होंने अपनी जानें 26/11 हमले में गंवाई...
...और पैगाम है उनके नाम जो समझते हैं कि दिल्ली को बमों के धमाके से दहला सकते हैं...
...हम पूरी तरह तैयार हैं इस बार आतंकवादियों की कोई मर्जी नहीं चलने वाली।
हा...हा...हा..
COME ON TIRANGA, SOFI. इन NGO'S को इनके तरीके से आतंकवाद रोकने दो हम अपने तरीके से आतंकवाद रोकने की कोशिश करते हैं। LETS GET READY FOR ACTION.
हमारे जेहादी भाई नागराज के हाथों मारे गए। दिल्ली इस कदर छावनी में तब्दील है कि कोई दूसरी आतंकवादी घटना करना मुहाल है और आप ठहाके लगा के हंस रहे हैं अशरफ भाई।
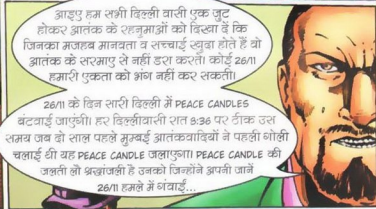
बिप
बिप

दूसरा 26/11 तो हो कर रहेगा। उसे खुदा भी नहीं टाल सकता फिर नागराज और तिरंगा क्या चीज हैं। बस सही घड़ी आने का इंतजार है।

पिछले सात दिनों में हमने दिल्ली में सफाई कर्मचारियो की तरह काम किया है। अपराध और आतंकवाद की गिजगिजाती गन्दगी को ढूंढ-ढूंढ कर निकाला है हमने...

देखकर आश्चर्य होता है कि सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस की लाख मुस्तैदी के बाद भी पाकिस्तान और बांग्लादेश से आए घुसपैठिए...

...कैसे आम जनता के बीच छुपे बैठे हैं। यह आए तो बाहर से हैं पर इन्हें लाने में मदद तो अपनों ने ही की है...

...कई प्रतिबंधित संगठन इन घुसपैठियों को खुफिया तौर से देश में आने में मदद करते हैं। इनके झूठे नागरिकता प्रमाण पत्र और दूसरे DOCUMENTS तैयार करवाते हैं...

...ताकि यह घुसपैठिए भेड़ की खाल में छिपे भेड़ियों की तरह हमारे ही बीच रह कर हम पर हमला करते रहें।

हमने ऐसे अनगिनत भेड़ियों के चेहरे से भेड़ की खाल नोची है...
...तब कहीं जाकर आज हम आखिरकार तुझ तक पहुंचने के बहुत करीब हैं...
DATE: 13/11/10
PLACE: ISBT, KASHMIRI GATE, NEW DELHI
TIME: 7:30
...अशरफ अकबरी
अब फटाफट अपने बाप खुर्रम का पता बता दे अशरफ।
तुम फिर गलती कर रहे हो काफिरों के काफिर। खुर्रम मेरा नहीं मैं खुर्रम का बाप हूं।

रूक जा अशरफ अकबरी।
NO..NO..NO..YOU CAN'T CATCH ME... NO..MATTER HOW HARD YOU TRY... EVERYBODY SAY...I-SPY... I-SPY.

ईयाााहहहह

न...नहीं...खुदा के वास्ते मुझे... बख्श दो...म...मैंने कुछ नहीं किया...म...मेरे दो-दो बापों की कसम...म...मुझ पर किसी शैतान का साया था।
इसे क्या हो गया। इसका तो राग ही बदल गया है वो भी बिना मार खाए।

I TRAVEL TO DISTANT LANDS---AND I'M HIRED BY MY CAPTAIN
उस बच्चे के चेहरे पर वो मासूमियत नहीं है जो एक बच्चे के चहेरे पर होती है...
उसके EXPRESSION ठीक वैसे ही हैं जैसे चन्द सैकेण्ड पहले अशरफ अकबरी के थे।
यह तो वही अजीब सा गाना गा रहा है जो अशरफ गा रहा था।

...SAILING WITH YOUR SOULTOGETHER...ON A MISSION TO CONQUER...
मुझे यह गाना और MANNERISM बेहद जाना पहचाना लग रहा था कि मैंने पहले कहीं सुना है अब मुझे याद आ रहा है कि यह गाना मैंने सबसे पहले अल-गजनी के हैड महमूद अल गजनी के मुंह से सुना था...

...यह EXPRESSION, MANNERISM सब महमूद अल गजनी का है।
...A TOUCH IS ALL I NEED...
...TO ACCOMPLISH THE UNSPEAKABLE DEED...
हे भगवान! यह तो एक से दूसरे में TRANSFER हो रहा है।
THIS CAN'T BE HAPPENING. HOW IS IT POSSIBLE? MANNERISMS एक इंसान से दूसरे इंसान में IMMIGRATE कर रहे हैं समझ नहीं आ रहा कि आखिर पकड़ें तो किसे?
NO..NO..NO.. YOU CAN'T CATCH ME...
जिसे यह महिला TOUCH कर रही है उसे पकड़ना होगा और किसी और को TOUCH करने से पहले रोकना होगा।
...NO MATTER HOW HARD YOU TRY...
I-SPY
EVERY BODY SAY...I-SPY... I-SPY...

...जिसमें AZAZEL नामक शैतान स्पर्श के द्वारा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के शरीर पर कब्जा करता है।

तो तुम कहना चाहते हो कि मरे हुए महमूद अल गजनी की आत्मा इन लोगों को बारी-बारी से POSSESS कर रही है?

आत्माओं पर मैं विश्वास नहीं करता। IT SHOULD BE SOMETHING ELSE...AND THAT I'M GONNA FIND OUT.

कम से कम अशरफ अकबरी तो हमारे कब्जे में है। शायद यह हमें कोई सुराग दे सके।

DATE: 14/11/10
PLACE: SCIENTIST ALAM KHAN'S RESIDENCE, NARAINA, NEW DELHI.
TIME: 6:45 P.M.

आपने शिक्षाक्रांती से जुड़े वैज्ञानिक प्रयोगों के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान दिया है आलम खान जी इसलिए हमारी SCIENCE MAGAZINE आपकी जीवनी के ऊपर एक ARTICLE निकालना चाहती है।

अगर मैं युवा पीढ़ी को मार्गदर्शन देने में किसी प्रकार का योगदान कर सकूं तो मुझे बहुत खुशी होगी। पूछिए क्या पूछना चाहते हैं आप।

TIME:- 7:00 P.M.

DATE: 15/11/10
PLACE: INDIAN RESEARCH CENTER, NEW DELHI
TIME: 12:45 A.M.

खर्र...ऽऽऽ
व्ही..ऽऽऽ

♫♪...I TRAVEL TO DISTANT LANDS...♫ AND I'M HIRED BY MY...CAPTAIN...♫

DATE:- 15/11/10
PLACE:- INDIAN RESEARCH CENTER, NEW DELHI
TIME:- 11:00 A.M

PARAFFIN में।
मुझे भी यही लगा था। THANK YOU PROFESER आप ने एक बहुत बड़ी समस्या सुलझा दी।
DATE: 16/11/10
PLACE: PROFESSOR IMRAN QURESHI'S RESIDENCE, DWARKA, NEW DELHI
TIME: 2:30 A.M.
HANDSUP
क्लिक
प्रोफेसर रामालिंगम और आलम खान की हत्या की न्यूज पढ़ कर मैं समझ गया था कि तेरा अगला निशाना मैं ही हूं।
अगर हिलनें की कोशिश भी की तो छः की छः गोली तेरे सीने में उतार दूंगा।
तू मेरे लिए तैयार था प्रोफेसर लेकिन तेरे पीछे जो मेरा साथी खड़ा है उससे कैसे बचेगा?
खच्च
सांय
पुरानी तरकीब हमेशा कारगर होती है।

सही कहा खुर्रम, तुझे पकड़ने के लिए मैंने भी शिकार की पुरानी तरकीब लगाई। प्रोफेसर इमरान बकरी और तू शिकार के लिए आया शेर...अब तेरा शिकार सवा शेर तिरंगा करेगा।
पिछले दो साईंटिस्ट और यह इमरान कुरैशी। सभी AFGHAN RESEARCH CENTER में तेरे साथ कार्यरत थे।
धड़ाक
एक-एक कर इन की हत्या होने का कारण हत्यारा अफगान रिसर्च सेंटर से ताल्लुक रखता शख्स ही हो सकता था...
तूने मुझे कैसे पहचान लिया तिरंगा?
...जो कि तू है।
आह...अ...अगर तुमने मुझे मार दिया तिरंगा तो तुम महमूद अल-गजनी को कभी...खत्म नहीं कर सकोगे।
तिरंगा कभी किसी की जान नहीं लेता खुर्रम और तुम झूठे हो। महमूद अल-गजनी नागराज के हाथों पहले ही मर चुका है।
आह! जिनकी हत्याएं मैंने की हैं वो सभी इंसानियत के दुश्मन थे तिरंगा। मेरे बाप महमूद अल-गजनी की तरह।
लोगों की हत्याएं करके। वाह क्या कहने।
रुक जा तिरंगा। तेरी मेरी कोई दुश्मनी नहीं है। मैं भी तेरी तरह इंसानियत की हिमायत कर रहा हूं।

EVERY BODY SAY... I-SPY...I-SPY...
कभी I-SPY का खेल खेला है तिरंगा? जिसमें एक चोर भागता है और भागते हुए जिस भी दूसरे खिलाड़ी को छू लेता है वो चोर बन जाता है और पहला वाला चोर सामान्य खिलाड़ी। अलगजनी कभी नहीं मर सकता तिरंगा। तुम लाख कोशिश कर लो चोर सिपाही का यह खेल अब कभी बंद नहीं होगा।
यह...यह TUNE तो वही है जिसका हम पीछा कर रहे थे...
DATE:- 26/11/10
TIME:- 8:00 P.M.
PLACE:- INDIA GATE, NEW DELHI.
INDIA
दिल्ली तैयार है। दिल्ली वाले तैयार हैं। सभी ने अमन व शांति की कामना करते हुए हाथों में मोमबत्तियां उठा रखी हैं। इंसानियत के जलते प्रकाश पर पड़ने वाले आतंक के किसी भी साए को दूर कर आतंकवाद का विनाश करने के लिए मैं और दिल्ली के कोने-कोने में फैले मेरे सर्प सैनिक भी तैयार हैं।
अमन के पंछी द्वारा सारी दिल्ली में PEACE CANDLES बंटवा दिए गए हैं। रात ठीक आठ बजकर छत्तीस मिनट पर हर दिल्ली वासी एक साथ जलाएगा अमन और शांति की लौ। अपनी एकता का सबूत देकर हमें दिखा देना है आतंक के आकाओं को कि पहले हिन्दुस्तान है फिर हिन्दू या मुसलमान है।
तिरंगा भी आ गया है...
इसे रोको नागराज
यह तिरंगा नहीं तिरंगा के भेस में खुर्रम अल गजनी है
WHAT!

I-SPY

हां नागराज, ध्यान से देखो इसके चेहरे पर दांई ओर होठ के ऊपर तिल है। तिरंगा के चेहरे पर वहां कोई तिल नहीं था जबकि ठीक ऐसा ही तिल खुर्रम के चेहरे पर है।
YOU ARE RIGHT SOFI. यह तिरंगा नहीं है। आखिर अपने नापाक इरादों को अंजाम देने यह यहां आ ही गया।

एक आतंकवादी के चेहरे पर देशभक्त का नकाब नहीं रहने देगा नागराज।
नागराज। अपने बाप का अधूरा काम यह यहां पूरा करने आया है इसे जिन्दा मत छोड़ना... KILL HIM NAGRAJ!

मानवता के साथ गद्दारी करने के जुर्म में तेरे बाप की तरह तुझे भी नागराज...

...सजा-ए-मौत...
स
क्रीं
च
सुनाता है।
सजा मुकर्रर करना हक है परवरदिगार का, उसके बन्दों का यह काम नहीं...खुदा की बराबरी कर सके...ऐसा दुनिया में कोई इंसान नहीं।

यह क्या कर रहे हो तिरंगा। यह HARD BOILED TERRORIST है जो कि यहां तुम्हारी ही पाक पोशाक पहन कर इन मासूम लोगों की जान लेने आया है और तुम इसे बचा रहे हो।
यह यहां लोगों को मारने नहीं उन्हें बचाने आया है। अगर तुमने इसे मार दिया तो हम महमूद अल गजनी को कभी खत्म नहीं कर पाएंगे।

आज इस आतंकवादी की मौत के साथ ही दुनिया के हर कोने में छिपे आतंकवादी को यह आतंकहर्ता बता देगा कि आतंकवाद की सिर्फ एक ही सजा है...सजा-ए-मौत।

सजा देने का अधिकार रक्षक को नहीं होता नागराज।
DATE: 26/11/10
PLACE: INDIA GATE
TIME: 8:30 P.M.
यदि ये दोषी है तो इसे सजा कानून देगा।
शैंक
क्लैंक
तिरंगा के रहते कानून से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता फिर चाहे वो कोई आतंकवादी हो या फिर आतंकहर्ता।
बज्ज

शक
शक
शक
सांय
सर्र
सर्र
सर्र
सर्र
ताड़
ठाक
बूम
बड़ाम

ताड़

धाड़

GAME OVER TIRANGA. I WON.
रुक जाओ नागराज। तुम बहुत बड़ी गलती करने जा रहे हो जिसका खामियाजा सारी दिल्ली, सारा देश, सारी दुनिया को भुगतना होगा।

खुर्रम की मौत महमूद अल गजनी को हमेशा के लिए अमर बना देगी वो INDESTRUCTIBLE हो जाएगा।
महमूद अल गजनी का DESTRUCTION मेरे हाथों हो चुका है। खुर्रम की मौत के साथ ही अल गजनी का CHAPTER हमेशा के लिए CLOSE हो जाएगा।

THE AL-GAJNI CLAN ENDS HERE.

YES NAGRAJ FINISH HIM OFF. QUICK.

व्हीsss

आतंक के आकाओं को...

WOW. I LOVE THIS CLIMAX PART. जिसमें हारा हुआ VILLAIN खुद ही अपनी बरबादी की दास्तान सुनाता है।

वैसे इस ACTION FILM का SCREEN PLAY और DIRECTION तो तिरंगा ने किया है। इतनी जबरदस्त एक्टिंग के लिए नागराज और तिरंगा को ऑस्कर नहीं तो कम से कम नागों का फुस्सकर एवार्ड तो मिलना ही चाहिए।

CLIMAX में VAMPS हमेशा गड़बड़ करने की कोशिश करती हैं इसलिए बेहतर है कि इस VAMP को पहले ही पकड़ लिया जाए।

GOOD MOVE SAUDANGI.

इंसान की जिन्दगी को खेल समझने वाले मेरे बाप ने खुद को ही I-SPY के खेल में तब्दील कर लिया है।

उस सॉफ्टवेयर प्रोग्राम की मदद से जिसे मैं अफगान के निरक्षर लोगों को शिक्षित करने के लिए बना रहा था।

महमूद अल गजनी की MEDICAL REPORT के अनुसार महमूद अल गजनी को ल्यूकेमिया था वो भी लास्ट स्टेज पर यानि महमूद अल गजनी मरने वाला था।

लेकिन महमूद अल गजनी को यह मौत मंजूर नहीं थी। उसे तो आतंकवाद फैलाने के लिए जिन्दा रहना था।

मैं एक ऐसा सॉफ्टवेयर प्रोग्राम डेवलप कर रहा था जिसके जरिए एक HIGHER I.Q. LEVEL वाले इंसान की INTELLIGENCE LOWER I.Q. के इंसान के दिमाग में FEED की जा सके.. परन्तु प्रोग्राम में बार-बार गड़बड़ी आ रही थी। वो INTELIGENCE के बजाए एक इंसान की MEMORY उसका THOUGHT PROCESS ही दूसरे इंसान के दिमाग में FEED कर देता।

मेरी मंगेतर सोफी से जब यह बात मेरे बाप महमूद अल गजनी को पता चली तो उसके शैतानी दिमाग में खुद को अमर बनाने का प्लान उपज गया। मेरी पीठ के पीछे उसने सोफी और तीनों सहायकों की मदद से प्रोग्राम में कुछ IMPROVEMENT कराए। मैंने यह प्रोग्राम इस तरह से DEVELOP किया था कि जिस इंसान की INTELLIGENCE दूसरे में FEED करनी है उसके शरीर में एक MICRO CHIP IMPLANT की जाएगी। जब वह किसी ऐसे व्यक्ति को TOUCH करेगा जिसका I.Q.LEVEL उससे कम है तब यह चिप उसकी INTELIGENCE को ENERGY में CONVERT कर के सामने वाले के शरीर में मौजूद उन NEUTRONS को CHARGE करेंगे जो कि मस्तिष्क को सोचने व विचार करने में सहायक होते हैं और सामने वाले का I.Q. LEVEL भी पहले व्यक्ति के समानांतर हो जाएगा...

महमूद अल गजनी ने इन गद्दारों की मदद से EDUCATIONAL PROGRAM को T3 में तब्दील करवा दिया...

यानि TOUCH, TRANSFER, TERRORISM जिसके जरिए महमूद अल गजनी सिर्फ अपनी INTELLIGENCE ही नहीं, अपनी MEMORY, अपना THOUGHT PROCESS और अपनी PERSONALITY भी स्पर्श के द्वारा अपने से LOWER I.Q. LEVEL के इंसान में TRANSFER कर सकता था। महमूद को इस काम के लिए सिर्फ अपने शरीर में चिप लगाने की जरूरत थी। एक बार वो इस PROGRAM को किसी HOST में TRANSFER कर देता उसके बाद यह PROGRAM स्वयं ही अपने लिए HOST का चुनाव कर सकता था और बिना किसी CHIP के सिर्फ NEUTRONS के CHARGE के जरिए एक शरीर से दूसरे में जा सकता था।

T3 को रोकने के दो ही तरीके थे पहला या तो प्रोग्राम का ORIGINATOR स्पर्श के जरिए प्रोग्राम को वापस अपने शरीर में HOST के शरीर से TRANSFER कर ले या फिर प्रोग्राम किसी ऐसे होस्ट के शरीर में TRANSFER हो जाए जिसका DNA ORIGINATOR के DNA से MATCH करता हो तो वो उस प्रोग्राम को नष्ट कर सकता था।

महमूद अल गजनी प्रोग्राम कभी नष्ट नहीं करता। दूसरा इंसान जो कि यह काम कर सकता था। वो मैं था यह बात महमूद भी अच्छी तरह जानता था कि उसके अमर होने की राह का रोड़ा अगर कोई था तो वो मैं था। अपनी अल गजनी फोर्स के साथ उसने रिसर्च सेंटर पर कब्जा कर लिया।

ताकि वो मुझे खत्म कर सके लेकिन मैं मौका पा कर वहां से भाग निकला

क्योंकि मैं जानता था कि यदि मैं पकड़ा या मारा गया तो T3 और महमूद अल गजनी कभी भी खत्म ना हो सकेंगे।

मैंने छुपकर सोफी और महमूद की बातें सुनी थीं इसीलिए मुझे यह पता था कि इस बार 26/11 के लिए T3 प्रोग्राम ने मुम्बई को नहीं दिल्ली को SELECT किया है उनकी बातों से यह भी पता चला कि I.S.I का खुफिया कमाण्डर भी दिल्ली में ही है लेकिन वो कौन है यह मैं ना जान सका।

T3 के रूप में महमूद अल गजनी हिन्दुस्तान में आकर तबाही मचाना शुरू करता उससे पहले ही मुझे यहां दिल्ली में खुफिया तौर पर रह रहे I.S.I के कमाण्डर को ढूंढना था।

जब फिल्म स्टार रंजीत कपूर से T3 अशरफ अकबरी के शरीर में TRANSFER हो रहा था तब मैं वहीं मौजूद था लेकिन सोफी को नागराज के साथ देखकर मैं चौंक गया। मुझे समझते देर ना लगी कि सोफी तुम लोगों को मेरे खिलाफ भड़का चुकी है।

अशरफ अकबरी के रूप में महमूद अल गजनी एक बार फिर मेरे हाथों से निकल चुका था। उस तक और I.S.I कमाण्डर तक पहुंचने का एक मात्र जरिया मेरे तीनों गद्दार सहायक थे जो कि नागराज और सोफी के साथ ही दिल्ली वापस आए थे।

मेरा PLAN भले ही बर्बाद हो गया नागराज, तिरंगा BUT STILL I'LL HAVE THE LAST LAUGH. रात के आठ छत्तीस बज चुके हैं सभी दिल्ली वासी अब एक साथ अमन के पंछी द्वारा वितरित की गई PEACE CANDLES जलाएंगे और एक और 26/11 होगा जो कि दिल्ली को तबाह कर देगा। तुम लोग यहां मौजूद लोगों को PEACE CANDLES जलाने से रोक सकते हो पर सारी दिल्ली को नहीं। हा..हा..हा..।
हम तो यहां मौजूद लोगों को भी PEACE CANDLES जलाने से नहीं रोकेंगे...

...अमन की यह लौ 26/11 शहीदों को श्रद्धांजली के साथ आतंकवाद के अंधकार पर मानवता के उजाले की प्रतीक है...

"...यह लौ तो सारी दिल्ली, सारे देश में जलेगी..."

मुझे शक तो तुम पर तभी हो गया था जब तुमने T.V. INTERVIEW में कहा था कि 26/11 पर निकलने वाला PEACE CANDLE PROCESSION पैगाम है उनके नाम जो समझते हैं कि दिल्ली को बमों के धमाके से दहला सकते हैं। तुम्हारा यह कथन एक STATEMENT नहीं बल्कि एक संदेश था। T3 के रूप में दिल्ली में मौजूद महमूद अल गजनी के लिए कि वो तुम्हारे भीतर खुद को TRANSFER करे और तुम लोग 26/11 CANDLE PROCESSION को तबाह कर सको।

यदि यह कथन होता जो तुम पैगाम के बजाए सबक शब्द का प्रयोग करते।

यह काम तुम लोग कैसे अंजाम दोगे बस मुझे यह CLEAR नहीं हो रहा था लेकिन जब INDIAN RESEARCH CENTER से T3 ने OCTANITROCUBANE EXPLOSIVE की चोरी की तब यह POINT भी CLEAR हो गया। OCTANITRTROCUBANE पर EXPERIMENT चल रहे थे क्योंकि वो भारी मात्रा में विस्फोट नहीं करता था दूसरे उसकी CONTAINING PARAFFIN में की जाती थी जो कि WAX FORM में होता है और जिसका इस्तेमाल मोमबत्ती बनाने में किया जाता है।

बात साफ थी। तुम लोग OCTANITROCUBANE कम मात्रा में PEACE CANDLES में भरने वाले थे ताकि जैसे ही सारी PEACE CANDLES एक साथ जलें BLAST कर जाएं हर CANDLE BLAST करेगी तो कम मात्रा होने के बावजूद तबाही भारी मचेगी।

तुम्हारे N.G.O. के बारे में DETAILED INVESTIGATION से मुझे पता चला कि तुम्हारी N.G.O. AFGHAN RESEARCH CENTER में चल रहे एक PROJECT को SPONSER कर रही है साथ ही तुम्हारी N.G.O. गुप्त रूप से उन लोगों की मदद भी कर रही थी जो कि अवैध रूप से पाकिस्तान और बांग्लादेश से आकर यहां रह रहे हैं।

...I.S.I. आलाकमान का कमाण्डर तू है काजिम कादरी...

और इस सारी प्लानिंग में सोफी ने भी जबरदस्त रोल अदा किया। सोफी जानती थी कि महमूद की मौत के बाद T3 प्रोग्राम को सिर्फ खुर्रम ही रोक सकता है जो कि इन लोगों के हाथ से निकल चुका था। साथ ही प्लानिंग के तहत इन लोगों को T3 HOST कर रहे आतंकी को दिल्ली भी लाना था...

जब मैंने NEWSPAPER में रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों की हत्या की न्यूज पढ़ी तब मामला साफ हो गया कि इस पूरी घटना के सभी तार आपस में जुड़े हुए हैं और इन सभी घटनाओं का सूत्रधार...

...सोफी ने एक तीर से दो शिकार किए, उसने नागराज को खुर्रम के खिलाफ भड़काया और खुद नागराज के साथ दिल्ली आ गई जहां इसके बाकी तीन साईंटिस्ट साथी T3 CARRY कर रहे आतंकी को साईंटिस्ट के वेश में नागराज के साथ ही INDIA ले आए।

...खुर्रम से जब हमें T3 प्रोग्राम की सबसे बड़ी कमजोरी का पता चला तब हमने यह प्लान किया कि हम तुम्हें इस बात पर खुशी मनाने देंगे कि तुम्हारी प्लानिंग सफल हुई है।

YOU RASCAL.

THANKS FOR THE COMPLIMENT. मुझे तुम पर शुरू से ही शक था क्योंकि तुम्हारा जोर आतंकी घटना को रोकने या खुर्रम को पकड़वाने के बजाए खुर्रम को मरवाने पर था।

शक यकीन में तब बदल गया जब अशरफ अकबरी ने तुम्हें इतनी आसानी से छोड़ दिया। जबकि वो चाहता तो तुझे नागराज और मेरे खिलाफ ढाल की तरह प्रयोग कर सकता था। नागराज ने अपना एक सूक्ष्म सर्प तेरे साथ कर दिया था जो की बाद में भी तेरे साथ ही रह गया था। जब मैं और नागराज सारी दिल्ली में T3 को तलाश रहे थे तब तू ही उसे SMS कर के हमारे प्लान के बारे में बताती थी ताकि वो हमसे हर बार बच निकले। सूक्ष्म सर्प से हमें यह बात पता चल गई।

और जब तुम पूरी तरह असावधान हो जाओगे तब खुर्रम T3 प्रोग्राम को तुम्हारे शरीर से अपने शरीर में TRANSFER कर लेगा...

...ताकि वो उसे नष्ट कर सके।
क...कुछ गड़बड़ी हो गयी है। नागराज... म..मैं T3 प्रोग्राम को नष्ट नहीं कर पा रहा हूं म...मुझे ऐसा लग रहा है जैसे...म...मेरे दिमाग पर कोई काबू कर रहा हो...
WHAT?
ऐसा कैसे हो सकता है।
स...समय बीतने के साथ-साथ T3 अपनी क.. कमियों को दूर कर रहा है...अ..आह..यह जल्दी ही मेरे दिमाग पर पूरी तरह क...काबू कर लेगा और मैं...म...महमूद अल गजनी बन जाऊंगा...इ...इसे रोकने का एक ही तरीका है... म...मुझे जान से मार दो। म...मेरे साथ T3 प्रोग्राम भी खत्म हो जाएगा...
हा..हा..हा.. EVERBODY SAY ♫♪ I-SPY...I-SPY.
T3 ने खुर्रम के दिमाग को अपने वश में कर लिया है। यह महमूद अल गजनी बन गया है...
मैंने कहा था ना काफिरों के काफिर खेल तो अभी शुरू हुआ है। हा..हा..हा..मैं हार कर भी जीत गया और तू जीत कर भी हार गया। मुझे खत्म करने के लिए तुझे निर्दोष खुर्रम को मारना होगा अगर तू खुर्रम को नहीं मारेगा।
तो मैं इसके जरिए तेरी पहुंच से बहुत दूर निकल जाऊंगा। हा..हा..हा.. हा..हा। EVERY BODY SAY... I-SPY...I-SPY...
T3 प्रोग्राम ENERGY के सिद्धांत पर आधारित है नागराज। इसका फ्लो भी ENERGY की तरह ज्यादा से कम की ओर है यदि इस समय खुर्रम के शरीर से कोई ऐसा जीवित प्राणी टकराएगा...
जिसका I.Q. LEVEL LOW हो तो प्रोग्राम खुर्रम से उस प्राणी में TRANSFER हो सकता है लेकिन उसके लिए जरूरी है कि खुर्रम T3 के कब्जे से अपने दिमाग को निकाले और स्वेच्छा से T3 को TRANSFER करे।

खुर्रम। मेरी आवाज सुनो खुर्रम।
हा..हा..हा..हा..लाख पुकार ले काफिरों के काफिर.. खुर्रम को मैंने उसके ही जिस्म में दफन कर दिया है वो तेरी आवाज नहीं सुनने वाला।
अगर तुमने मेरी आवाज नहीं सुनी खुर्रम तो आज हमारे साथ--साथ इंसानियत और सच्चाई भी आतंकवाद के खिलाफ यह जंग हार जाएंगी। क्योंकि नागराज सौ गुनहगारों को छोड़ सकता है पर एक भी बेगुनाह की जान नहीं ले सकता।
मेरे सर्प सैनिक के शरीर में T3 को TRANSFER करो खुर्रम। खुद पर काबू पाओ T3 को TRANSFER करो।
हा..हा..हा..हा कोई असर नहीं होने वाला काफिरों के काफिर अब T3 के रूप में मैं जिसके चाहूं उसके शरीर में TRANSFER होऊंगा। मेरी मर्जी के बिना खुर्रम मुझे किसी दूसरे शरीर में TRANSFER नहीं कर सकता।
FOR THE SAKE OF HUMANITY KHURRAM...JUST DO IT..
अक...उंह...
य...यह...क्या हो रहा है... ख...खुर्रम मुझ पर काबू करने की कोशिश कर रहा है... न...ही...यह नहीं हो सकता... नहीं...नहीं...
न...नहीं।

हिस्स...
म..मैंने कर दिया नागराज। T3 को तुम्हारे सांप में TRANSFER कर दिया।

T3 के रूप में तुम्हारा सर्प किसी और से TOUCH हुआ तो T3 हमारे हाथ से निकल जाएगा नागराज।
तुम्हें सर्प सैनिक को मारना होगा नागराज... इंसानियत की रक्षा के लिए मारना होगा तुम्हें इसे।

..कितनी अजीब विडम्बना है...
...इंसानियत की रक्षा के लिए आतंकहर्ता को अपने भीतर की इंसानियत को ही मारना पड़ता है...

...आखिर इंसानियत का जज्बा सांपों में भी होता है।

NO..NO..NO..YOU CAN'T CATCH ME. NO MATTER HOW HARD YOU TRY...EVERY BODY SAY...♫♪
समाप्त